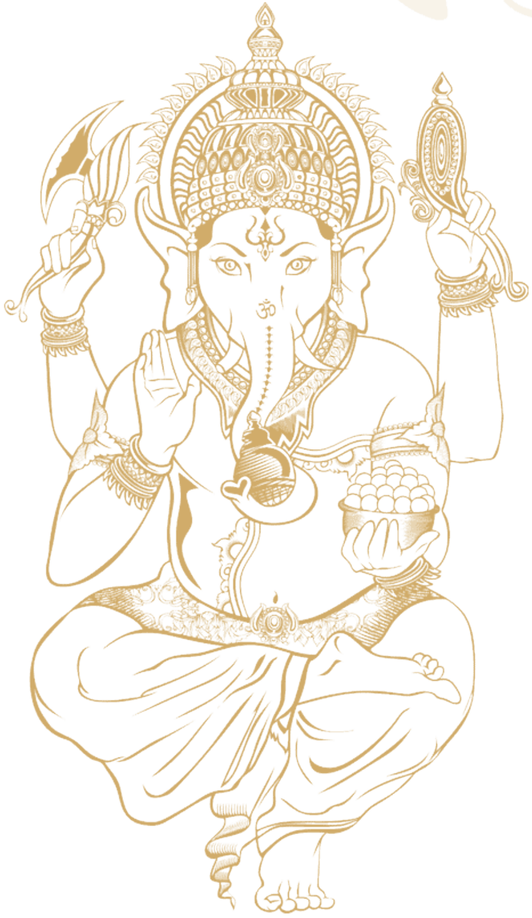

Mr.

14 Feb 2004

12:54 PM

Bareilly

Model: web-freekundliweb

Order No: 121889304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/02/2004**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:54:00 घंटे**
इष्ट	15:04:38 घटी
स्थान	**Bareilly**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:20:00 उत्तर
रेखांश	79:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:41:36 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	22:16:17 घंटे
सूर्योदय	06:52:08 घंटे
सूर्यास्त	18:01:25 घंटे
दिनमान	11:09:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:01:12 कुम्भ
लग्न के अंश	24:21:32 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:21:32	352:04:41	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कुंभ	01:01:12	01:00:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	10:41:07	14:08:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	नीच राशि
मंगल			मेष	13:01:19	00:38:18	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	स्वराशि
बुध		अ	मक	17:09:18	01:36:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		सिंह	22:25:11	00:06:51	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	12:42:23	01:10:13	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:50:09	00:02:26	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	20:59:21	00:00:44	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	20:59:21	00:00:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:25:33	00:03:26	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:24:23	00:02:15	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:54:34	00:01:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	08:09:51	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:42

लग्न-चलित

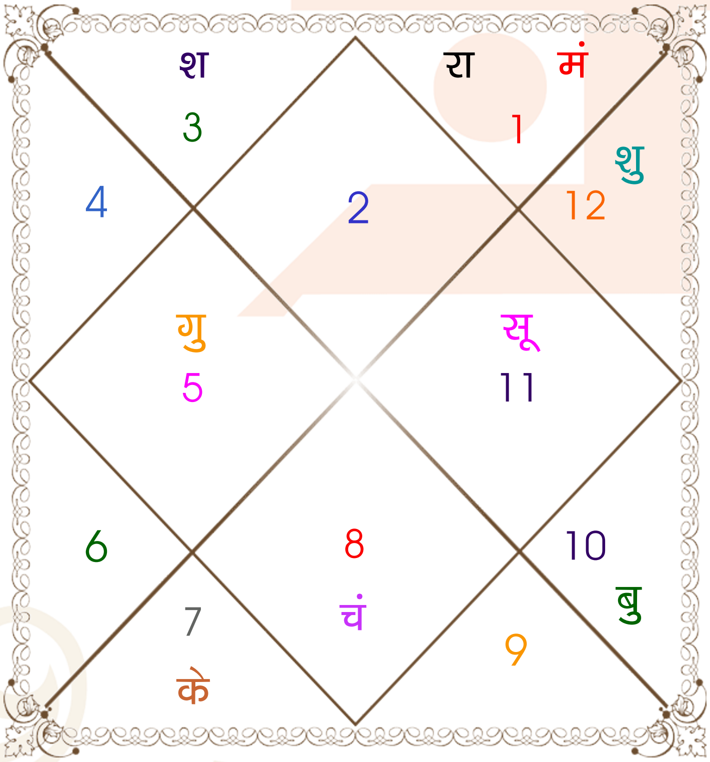

चन्द्र कुंडली

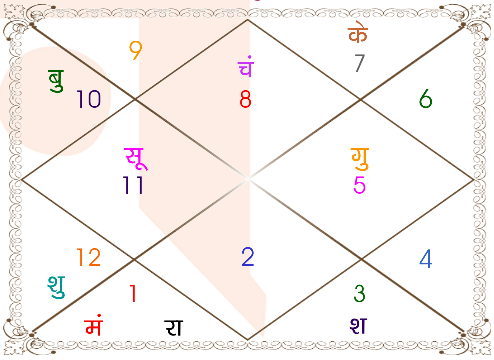

नवमांश कुंडली

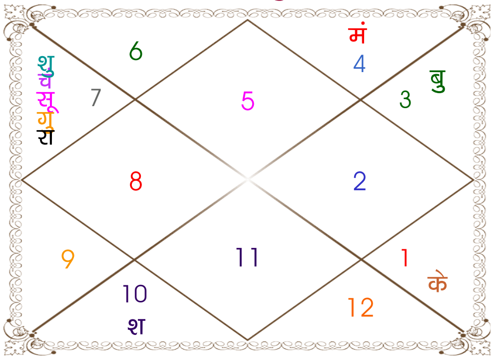

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 6 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/02/2004		23/08/2012		23/08/2029		23/08/2036		23/08/2056	
23/08/2012		23/08/2029		23/08/2036		23/08/2056		24/08/2062	
	00/00/0000	बुध	20/01/2015	केतु	20/01/2030	शुक्र	24/12/2039	सूर्य	11/12/2056
	00/00/0000	केतु	17/01/2016	शुक्र	22/03/2031	सूर्य	23/12/2040	चंद्र	11/06/2057
	00/00/0000	शुक्र	17/11/2018	सूर्य	28/07/2031	चंद्र	24/08/2042	मंगल	17/10/2057
	14/02/2004	सूर्य	23/09/2019	चंद्र	26/02/2032	मंगल	24/10/2043	राहु	11/09/2058
सूर्य	27/07/2004	चंद्र	22/02/2021	मंगल	24/07/2032	राहु	24/10/2046	गुरु	30/06/2059
चंद्र	25/02/2006	मंगल	19/02/2022	राहु	11/08/2033	गुरु	24/06/2049	शनि	11/06/2060
मंगल	06/04/2007	राहु	07/09/2024	गुरु	18/07/2034	शनि	23/08/2052	बुध	18/04/2061
राहु	10/02/2010	गुरु	14/12/2026	शनि	27/08/2035	बुध	24/06/2055	केतु	23/08/2061
गुरु	23/08/2012	शनि	23/08/2029	बुध	23/08/2036	केतु	23/08/2056	शुक्र	24/08/2062

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/08/2062		23/08/2072		24/08/2079		23/08/2097		24/08/2113	
23/08/2072		24/08/2079		23/08/2097		24/08/2113		00/00/0000	
चंद्र	24/06/2063	मंगल	19/01/2073	राहु	06/05/2082	गुरु	12/10/2099	शनि	27/08/2116
मंगल	23/01/2064	राहु	07/02/2074	गुरु	29/09/2084	शनि	25/04/2102	बुध	07/05/2119
राहु	24/07/2065	गुरु	14/01/2075	शनि	06/08/2087	बुध	31/07/2104	केतु	15/06/2120
गुरु	23/11/2066	शनि	23/02/2076	बुध	22/02/2090	केतु	07/07/2105	शुक्र	16/08/2123
शनि	23/06/2068	बुध	19/02/2077	केतु	13/03/2091	शुक्र	07/03/2108	सूर्य	15/02/2124
बुध	23/11/2069	केतु	18/07/2077	शुक्र	12/03/2094	सूर्य	24/12/2108		00/00/0000
केतु	24/06/2070	शुक्र	17/09/2078	सूर्य	04/02/2095	चंद्र	25/04/2110		00/00/0000
शुक्र	23/02/2072	सूर्य	23/01/2079	चंद्र	05/08/2096	मंगल	01/04/2111		00/00/0000
सूर्य	23/08/2072	चंद्र	24/08/2079	मंगल	23/08/2097	राहु	24/08/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 6 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रुपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।